



Umesh



Dimple

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121677001

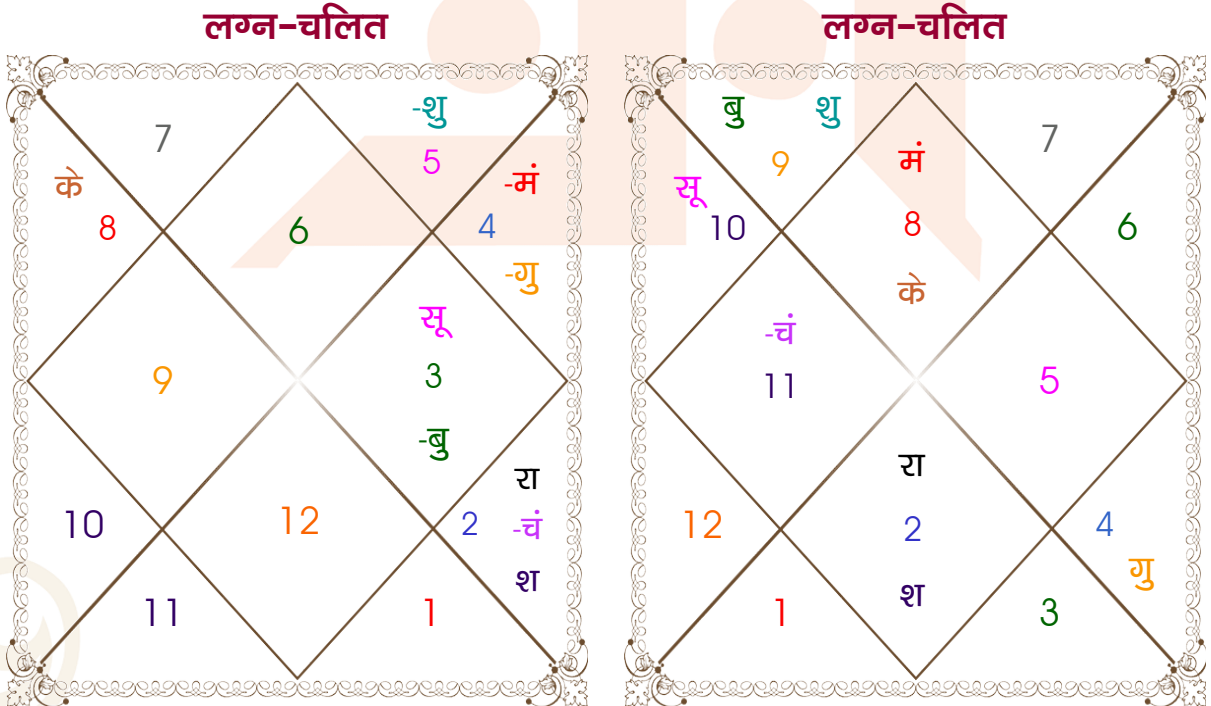
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
06/07/2002 :	जन्म तिथि	: 2-03/02/2003
शनिवार :	दिन	: रवि-सोमवार
घंटे 13:15:00 :	जन्म समय	: 03:00:00 घंटे
घटी 18:35:31 :	जन्म समय(घटी)	: 49:12:35 घटी
India :	देश	: India
Sojat River :	स्थान	: Sojat River
25:53:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:53:00 उत्तर
73:45:00 पूर्व :	रेखांश	: 73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:35:00 :	स्थानिक संस्कार	: -00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:48:47 :	सूर्योदय	: 07:18:57
19:30:26 :	सूर्यास्त	: 18:18:38
23:53:15 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:53:47
कन्या :	लग्न	: वृश्चिक
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
वृष :	राशि	: कुम्भ
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
कृतिका :	नक्षत्र	: शतभिषा
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
2 :	चरण	: 1
शूल :	योग	: वरियान
बालव :	करण	: बालव
इ-ईश्वर :	जन्म नामाक्षर	: गो-गौतमी
कर्क :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
मेष :	योनि	: अश्व
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
गरुड़ :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 4मा 20दि	27:44:46	कन्या	लग्न	वृश्चि	15:28:09	राहु 17वर्ष 7मा 12दि
राहु	20:11:27	मिथु	सूर्य	मक	19:43:32	गुरु
25/11/2023	00:14:51	वृष	चंद्र	कुंभ	06:56:58	16/09/2020
25/11/2041	01:24:03	कर्क	मंगल	वृश्चि	16:52:26	16/09/2036
राहु 07/08/2026	04:03:47	मिथु	बुध	धनु	24:25:30	गुरु 04/11/2022
गुरु 31/12/2028	00:13:48	कर्क	गुरु व	कर्क	19:08:12	शनि 17/05/2025
शनि 07/11/2031	00:56:45	सिंह	शुक्र	धनु	04:13:54	बुध 23/08/2027
बुध 26/05/2034	28:00:08	वृष	शनि व	वृष	28:35:21	केतु 29/07/2028
केतु 14/06/2035	23:47:52	वृष	राहु व	वृष	12:17:18	शुक्र 30/03/2031
शुक्र 14/06/2038	23:47:52	वृश्चि	केतु व	वृश्चि	12:17:18	सूर्य 16/01/2032
सूर्य 08/05/2039	04:31:07	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	04:03:05	चन्द्र 17/05/2033
चन्द्र 06/11/2040	16:23:23	मक व	नेप	मक	16:52:40	मंगल 23/04/2034
मंगल 25/11/2041	21:38:54	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:25:03	राहु 16/09/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

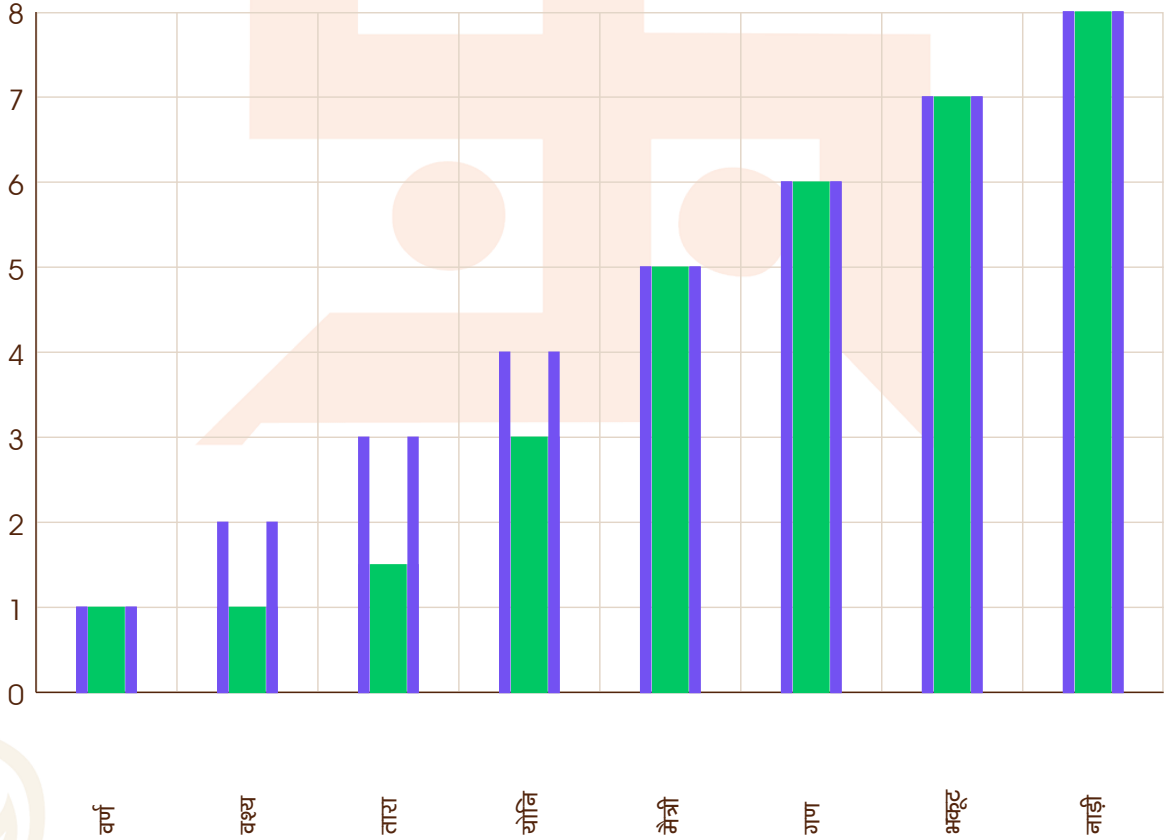
23:53:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:47



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.50		

कुल : 32.5 / 36



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ऋमी का वर्ण वैश्य है तथा Dimple का वर्ण शूद्र है। इसमें Dimple का वर्ण ऋमी के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Dimple अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Dimple हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

ऋमी का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Dimple का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार ऋमी एवं Dimple एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Dimple क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

ऋमी की तारा वध तथा Dimple की तारा क्षेम है। ऋमी की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऋमी बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। ऋमी को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Dimple लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

ऋमी की योनि मेष है तथा Dimple की योनि अश्व है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ञ्मौ एवं Dimple दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ञ्मौ एवं Dimple के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ञ्मौ एवं Dimple जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ञ्मौ का गण राक्षस है तथा Dimple का गण भी राक्षस है। अर्थात् Dimple का गण ञ्मौ के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ञ्मौ एवं Dimple दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

ञ्मौ से Dimple की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Dimple से ञ्मौ की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ञ्मौ एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Dimple को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Dimple हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

ञ्मौ की नाड़ी अन्त्य है तथा Dimple की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। ञ्मौ की अन्त्य नाड़ी तथा Dimple की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ऽडमी की राशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Dimple की राशि वायुतत्व युक्त है। भूमितत्व एवं वायुतत्व में यद्यपि असमानताएं अधिक होती हैं तथापि अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृत्ति के कारण ये न्यूनाधिक मात्रा में सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में समर्थ रहते हैं।

ऽडमी का राशि स्वामी शुक्र तथा Dimple का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता का भाव रखते हैं। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव होगा। जिससे दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता तथा शांति बनी रहेगी एवं एक दूसरे के सुख सहयोग का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा परस्पर भावनाओं का आदर करके उन्हें पूर्ण करने में तत्पर रहेंगे।

ऽडमी तथा Dimple की राशि परस्पर चतुर्थदशम में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य जीवन में सुख संसाधनों एवं मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। ऽडमी के भावनात्मक संकेत से ही अंतर्मन में Dimple को उनके प्रति आकर्षण के लिए प्रवृत्त करेंगी। साथ ही दोनों एक दूसरे के गुणों से प्रभावित होंगे तथा सम्मान भी करेंगे। इस प्रकार ऽडमी और Dimple का जीवन सुख एवं समृद्धि से युक्त व्यतीत होगा।

ऽडमी का वश्य चतुष्पद तथा Dimple का वश्य मानव है। चतुष्पद तथा मानव की परस्पर असमानता एवं नैसर्गिक शत्रुता होती है। अतः ऽडमी और Dimple की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी फलतः तथा इनमें एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में असमर्थ होंगे जिससे संबंधों की मधुरता में न्यूनता आएगी।

ऽडमी का वर्ण वैश्य तथा Dimple का वर्ण शूद्र है। ऽडमी की प्रवृत्ति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वाणिज्य बुद्धि से कार्यों में प्रवृत्त रहेगे लेकिन Dimple की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को ईमानदारी से सम्पन्न करने में रहेगी। अतः ऽडमी की बुद्धि एवं Dimple के परिश्रम से कार्य क्षेत्र में उन्नति के कारण आर्थिक रूप से ये सुदृढ़ रहेंगे।

धन

ऽडमी और Dimple दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

न्डमी का जन्म अन्त्य तथा Dimple का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव न्डमी को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से न्डमी हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए न्डमी को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से न्डमी और Dimple का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त न्डमी और Dimple के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Dimple के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Dimple को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Dimple को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से न्डमी और Dimple सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार न्डमी और Dimple का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Dimple के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Dimple भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Dimple भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Dimple को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

न्डमी के अपनी सास से संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबंधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही न्डमी उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबंधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण न्डमी के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।